**A–0172**

**Total Pages : 3** **Roll No. .....**

# BASL–102

## Bachelor of Arts (BA)

### (नीतिकाव्य, व्याकरण एवं अनुवाद)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

**नोट :—** यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

**खण्ड–क**

**(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)** 2×19=38

**नोट :—** खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भर्तृहरि का परिचय देते हुए नीति साहित्य में उनके योगदान को रेखांकित कीजिए।

2. पंचतंत्र में उल्लिखित नीति का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

3. चाणक्य का सामान्य परिचय देते हुए चाणक्य नीति की प्रासंगिकता पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. यण् सन्धि, अयादि सन्धि, गुण सन्धि, दीर्घ सन्धि एवं वृद्धि सन्धि पर उदाहरण सहित टिप्पणी लिखिए।

5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

   दाक्षिणात्ये जनपदे महिलारोप्यं नाम नगरम्। तत्र सकलार्थि कल्पद्रुमः प्रवरमुकुटमणिमरीचिमंजरी चर्चित चरणयुगलः सकलकलापाररशसक्तिर्नाम राजा बभूव। तस्य त्रयः पुत्राः परमदुर्मेधसो बहुशक्तिरूग्रशक्तिरनन्तशक्तिश्चेति नामानो बभूवुः। अथ राजातान्शास्त्राविमुखानालोक्य सचिवानाहूय प्रोवाच-भोः, ज्ञातमेतद्भिवद्धर्यन्ममैते पुत्राः शास्त्रविमुखा विवेकरहिताश्च तदेतान्पश्यतो मे महदपि राज्यं न सौख्यमावहति।

## खण्ड–ख

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)** 4×8=32

**नोट :–** खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए–

   अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

   ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि नरं न रञ्जयति॥

   साहित्संगीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।

   तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥

2. निमनलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

   उत्सवे व्यसने चैव दुर्भिक्षे राष्ट्रविप्लवे।

   राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः॥

3. नीतिशतकम् के आधार पर 'विद्वत्पद्धति' की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. नीतिशतकम् के आधार पर धन के महत्व पर प्रकाश डालिए।

5. 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

6. उपसर्ग संज्ञा विधायक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करते हुए संस्कृत के सभी उपसर्गों का उल्लेख कीजिए।

7. संजीवक और पिंगलक की कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

8. नीति कथाओं के विकास एवं महत्व पर एक निबन्ध लिखिए।

**********